"ऑपरेशन शील्ड" के तहत मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट का हुआ सफल आयोजन

जिला प्रशासन, पुलिस सहित संबंधित एजेंसियों एवं विभागों ने परखी अपनी तैयारियां

जयपुर। जयपुर जिले में शनिवार को ऑपरेशन शील्ड के तहत खातीपुरा रोड स्थित जयपुर मिलिट्री स्टेशन के रिहायशी इलाके में मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट का सफल आयोजन हुआ। जयपुर में शनिवार रात 8:15 बजे सायरन बजते ही जदुनाथ विहार, भारतेंदु नगर, जसवंत नगर, खातीपुरा का चुनिंदा परिधि क्षेत्र में आमजन ने स्वेच्छा से सभी लाइट बंद की। इस

- **खातीपुरा रोड स्थित जयपुर मिलिट्री स्टेशन के रिहायशी इलाके में हुआ आयोजन**
- **ब्लैक आउट के दौरान अंधेरे में डूबा जदुनाथ विहार, भारतेंदु नगर, जसवंत नगर, खातीपुरा का चिन्हित परिधि क्षेत्र**
- **आमजन ने स्वेच्छा से ब्लैक आउट का बनाया सफल, सभी लाइट कीं बंद**

जयपुर जिले में शनिवार को ऑपरेशन शील्ड के तहत खातीपुरा रोड स्थित जयपुर मिलिट्री स्टेशन के रिहायशी इलाके में मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट का सफल आयोजन हुआ।

दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री कुंवर राष्ट्रदीप की अगुवाई में यातायात पुलिस एवं पुलिस के जवानों ने आमजन को गाइडलाइन की पालना के लिए प्रोत्साहित किया।

इस दौरान वाहन चालकों ने सभी स्वेच्छा से वाहन को सड़क किनारे लगाकर वाहन की लाइट बंद की। इस प्रकार जयपुर में ऑपरेशन शील्ड के लिए चिन्हित क्षेत्र में ब्लैक आउट का सफल आयोजन देखने को मिला। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने ब्लैक आउट के दौरान जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए आमजन का आभार जताया है।

इससे पहले जयपुर कलक्ट्रेट के नियंत्रण कक्ष में शाम पांच बजे एयर स्ट्राइक की सूचना मिलते ही सायरन बज उठे।

सायरन की आवाज से प्रशासन, पुलिस सहित एजेसियों और संबंधित विभागों के अधिकारी हरकत में आए। चंद ही मिनटों में जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी मौके पर पहुंच गए एवं संपूर्ण अभ्यास की मॉनिटरिंग स्वयं की।

संभागीय आयुक्त पूनम एवं अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने पूरे ग्राउंड को खाली करवाया। फायर ब्रिगेड के जवानों ने मोर्चा संभालते हुए बिल्डिंग में लगी आग पर काबू पाया। नागरिक सुरक्षा के जवानों ने बिल्डिंग में फंसे लोगों को अपने हुनर और प्रतिभा के दम पर सकुशल रेस्क्यू किया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए घायलों को एंबुलेंस के जरिये स्थानीय अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, ईआरटी, एसडीआरएफ एवं एटीएस के जवानों ने पूरे परिसर की तलाशी लेकर संदिग्ध वस्तुओं की जांच की।

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के नेतृत्व में जिला प्रशासन, पुलिस, नागरिक सुरक्षा, नगर निगम, एसडीआरएफ, ईआरटी, एसटीएस, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य एजेंसियों एवं विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बेहतरीन आपसी सहयोग एवं समन्वय का प्रदर्शन करते हुए त्वरित रेस्पॉन्स एवं रेस्क्यू करते हुए ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉक ड्रिल एवं ब्लैक आउट के सफल आयोजन में अपनी भूमिका निभाई।

रिलायंस डिजिटल की 'बूट अप इंडिया' सेल शुरू

जयपुर। रिलायंस डिजीटल को अपनी अब तक की सबसे बड़ी लैपटॉप सेल बूट अप इंडिया के लांच की घोषणा की है। यह सिर्फ सेल ही नहीं है, बूट अप इंडिया एक अभियान है जिसका एक शक्तिशाली उद्देश्य है। आज के छात्रों को कल के अवसरों के लिये तैयार करके उन्हें सशक्त बनाना, इस पहल का उद्देश्य यह दर्शाना है कि 31 मई से 31 अगस्त तक चलने वाली बूट अप इंडिया सेल सिर्फ एक शॉपिंग इवेट ही नही है, बल्कि यह इंडिया की अगली पीढ़ि के लीडर्स, क्रियेटर और इनोवेटर्स के लिये एक सच्चा लांच पैड है। बूट अप इंडिया सेल में रिलायंस डिजीटल और माय जिये स्टोर्स पर आकर्षक ऑफर्स उपलब्ध हैं।

लैपटॉप, एक्सेसरीज और संबंधी अन्य जरूरी चीजों की आकर्षक कीमतों के साथ-साथ बूट अप सैल में कई बेहतरीन इनाम भी शामिल हैं।

देश भर के छात्रों के लिए 1 करोड़ की स्कॉलरशिप, 25 कार, 40 बाइक और 450 से ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स जीतने का मौका हर ग्राहक के लिए निश्चित उपहार, जिससे हर खरीदारी को इनाम मिलेगा।

बूट अप इंडिया एक एकीकृत अभियान है जिसमें इन-स्टोर एक्टिवेशन, सोशल मीडिया संचार और विभिन्न क्षेत्रों में मेल-जोल संबंधी गतिविधियां करना शामिल हैं। यह अभियान आपकी क्षमताओं को बढ़ाने और टेक्नोलॉजी हर किसी के लिए पहुंच योग्य बनाने की रिलायंस डिजिटल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

जेल से बंदियों को फरार कराने में मदद करने वाली एक महिला सहित दो गिरफ्तार

- **गिरफ्तारी में बंदी भंवरलाल की प्रेमिका शामिल है**

जयपुर। लाल कोठी थाना पुलिस ने जेल से बंदियों को फरार कराने में मदद व रुपये ट्रांसफर कराने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया हैं। जिसमें एक बंदी भंवरलाल की प्रेमिका पूनम देवी शामिल है। पुलिस जांच में सामने आया कि भंवरलाल की प्रेमिका पूनम देवी ने ही आरोपित धमेन्द्र को पैसे दिए थे। जहां आरोपित धमेन्द्र भारद्वाज ने ही पूर्व में गिरफ्तार आरोपित आलिम के खाते में पैसे ट्रांसफर किए थे। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ जा रही है। अब तक पुलिस ने इस मामले में बीस आरोपितों को गिरफ्तार कर चुकी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जयपुर जेल में बंद चार बंदियों को एसएमएस अस्पताल जयपुर में फरारी में मदद और रुपये ट्रांसफर कराने वाली पूनम देवी निवासी निवासी उत्तर प्रदेश हाल झोटवाड़ा को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित महिला पूनम देवी बंदी भंवरलाल की प्रेमिका है और वहीं रुपये ट्रांसफर करने वाले अन्य धर्मेन्द्र भारद्वाज निवासी झोटवाड़ा जयपुर को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित बंदी भंवरलाल और पूनम देवी के कहने पर ही आरोपित धर्मेन्द्र भारद्वाज ने पूर्व में गिरफ्तार आरोपित आलिम के खाते में पैसे ट्रांसफर किए थे।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व ने बताया कि 24 मई को मुखबिर से सूचना मिली की केन्द्रीय कारागार से जो बदमाश उपचार के लिए एसएमएस अस्पताल जयपुर में आ रहे है उनके फरार होने की योजना है। जिस पर सीआई एसएमएस अपनी टीम के साथ अस्पताल पहुंचे। जहां जेल से उपचार के लिए आये रोगियों के बारे में जांच की गई तो पता चला कि पांच रोगी एसएमएस में उपचार के लिए आए थे। लेकिन वहीं गायब हैं मिल नहीं रहे। जानकारी जुटाई गई तो रोगियों के नाम सामने आये जिस में रफीक उर्फ बकरी निवासी न्यु संजय नगर कच्ची बस्ती थाना भट्टा बस्ती जयपुर, भंवर लाल निवासी जोबनेर जिला जयपुर, अंकित बंसल निवासी सीटी सोनी पंथ जिला हरियाणा और करण गुप्ता निवासी महेश नगर है। साथ की जानकारी मिली की जयपुर पुलिस गार्ड जो रोगियों को जेल से लेकर आई वह भी गायब हो गई हैं। जिस पर टीम एक्टिव की गई तो पता चला कि रफीक उर्फ बकरी और भंवरलाल जालूपुरा में एक होटल में गार्ड के साथ मिले और अंकित बंसल व करण गुप्ता एयरपोर्ट थाना इलाके में एक होटल से मिले। जिस के बाद लालकोठी थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। जिस पर जांच अधिकारी ने तेरह लोगों को गिरफ्तार किया। जिस में चार कैदी,पांच पुलिसकर्मी,चार प्राइवेट महिला और पुरुष शामिल थे।

साइबर ठगों ने युवती व छात्र नेता को बनाया शिकार

- **साइबर ठगों ने दोनों से करीब पौने तीन लाख रुपये ठगे**

जयपुर। शहर के गांधी नगर थाना इलाके में साइबर ठगों ने एक युवती और छात्र नेता को शिकार बनाया है। साइबर ठगों ने दोनों से करीब पौने तीन लाख रुपए ठग लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

शाहपुरा हाल जेसी बॉस हॉस्टल निवासी धर्मेंद्र बड़बड़वाल ने गांधी नगर थाने में मामला दर्ज करवाया कि उसके पास टेलीग्राम पर दो लोगों ने कॉल किया और एक एप में निवेश करने पर मोटा मुनाफे का झांसा दिया। इसके बाद आरोपियों ने उससे सात बार में 209998 रुपए डलवा लिए। इसके बाद आरोपियों ने न तो उसे मूल रकम लौटाई और ना ही मुनाफा दिया। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित थाने पहुंचा और मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित ने सबसे पहले 19999 और उसके बाद 59900, 25000, 25000, 25000, 25000 एवं 29999 रुपए डलवा लिए। वहीं दूसरी घटना में गांधी पथ वेस्ट लालरपुरा रोड निवासी मानसीपाल ने करणीविहार थाने में मामला दर्ज करवाया कि उसके पास किसी ने बैंक कर्मचारी बनकर कॉल किया और कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड की लिमिट बढ़ानी है। आपके पास ओटीपी आएगा वो बता देना। इसे बाद आरोपियों ने उसके दो अलग-अलग खातों से 25999, 23000 और 19950 रुपए निकाल लिए। ठगी का पता पीड़ित को मोबाइल पर बैंक से मैसेज आने पर लगा। इस पर पीडिता ने बैंक से सम्पर्क कर खाते का लेन देन बंद करवाया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसएमएस अस्पताल में लगातार दूसरे दिन भी सर्वर रहा ठप, मरीज परेशान

रजिस्ट्रेशन, जांचें सहित अन्य प्रक्रियाएं रही प्रभावित

जयपुर। प्रदेश के सबसे बडे सवाई मानसिंह अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों में लगातार सर्वर ठप होने की समस्या आ रही है। इसके चलते आए दिन मरीजों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सर्वर नहीं चलने से दूरदराज से इलाज के लिए आए मरीज बिना इलाज ही लौटने को मजबूर हो जाते हैं।

ऐसा ही एक नजारा शनिवार को भी लगातार दूसरे दिन भी एसएमएस अस्पताल में देखने को मिला। अस्पताल में करीब तीन घंटे तक सर्वर में तकनीकी खराबी रही। सर्वर नहीं चलने के कारण जांच के बिल नहीं कट सके, जिसके कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। इस बीच रजिस्ट्रेशन के इंतजार में ओपीडी भवन में बैठे एक मरीज की हालत बिगड़ गई और वह बेहोश होकर गिर गया, जिसे वहां मौजूद लोगों ने संभाला। अन्य मरीज भी सर्वर ठीक होने के इंतजार में घंटों खड़े रहे। मामले में अस्पताल के जिम्मेदारों का कहना है कि सर्वर की समस्या डीओआईटी की तरफ से आ रही है। इसमें अस्पताल की तरफ में कोई समस्या नहीं है।

जानकारी के अनुसार एसएमएस में शुक्रवार को भी सर्वर करीब एक घंटे तक डाउन रहा था और शनिवार को भी सर्वर डाउन रहने की स्थिति में व्यवस्था और बिगड़ गई। अस्पताल में इलाज के लिए आए मरीज हाथ में पर्ची लिए इधर उधर भटकते रहे लेकिन सर्वर नहीं चलने के कारण जांच के लिए बिल नहीं कटवा सके, जिसमें उनकी जांचे भी नहीं हो सकी। इधर इस तरह की समस्या में परेशान मरीजों के लिए हॉस्पिटल में वैकल्पिक व्यवस्थाओं का भी अभाव दिखाई दिया।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अस्पताल में सुबह सवा 11 बजे से लेकर दोपहर करीब दो बजे तक सर्वर में तकनीकी समस्या रही। इस दौरान बीमारी का इलाज करवाने आए एक मरीज की हालत बिगड गई। करीब दस मिनट मरीज को उसके परिजन और वहां ड्युटि पर तैना त सुरक्षा गार्ड ने संभाला, लेकिन कोई मेडिकल स्टॉफ वहां नहीं आया। काफी देर तक जब किसी भी स्टाफ ने मदद नहीं को तो मजबूरन मरीज के पिता उसे खेद में उठाकर डॉक्टर के कमरे तक ले गाए। जिसे बाद में डॉक्टर ने देखा। अस्पताल में तमाम संसाधन होने के बावजूद ओपीडी में बेहोश हुए मरीज को संभालने कोई नहीं पहुंचा, जिनके कारण अस्पताल में प्रदेश के कोने-कोने से आए लोगों ने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए है।

हाईकोर्ट ने गुजारा भत्ते का आदेश निरस्त किया

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक मामले में पत्नी के खुद को बेरोजगार बताकर पति से हर माह पन्द्रह हजार रुपए गुजारा भत्ता लेने से जुडे मामले में महिला उत्पीड़न कोर्ट के 2 अगस्त, 2023 के आदेश को निरस्त कर दिया है।

वहीं अदालत ने निचली अदालत के उस आदेश को बहाल किया है, जिसमें अदालत ने पांच हजार रुपए मासिक गुजारा भत्ता देने को कहा था। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने यह आदेश निशित दुबे की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।सुनवाई के दौरान पति के अधिवक्ता मोहम्मद आदिल ने अदालत को बताया कि पत्नी ने घरेलू हिंसा कानून के तहत निचली कोर्ट में खुद व 7 साल की बेटी के लिए भरण-पोषण भत्ता दिलवाने का प्रार्थना पत्र दायर किया था।

सोलर प्लांट के नाम पर धोखाधड़ी मामले में आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। मालवीय नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोलर प्लांट के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में एक साल से आरोपित राहुल शर्मा उर्फ शंकर शर्मा निवासी महेश नगर हाल कार्यालय मानसरोवर जयपुर को पकडा है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित घरों में सोलर प्लांट लगाने का झांसा देकर भोले-भाले लोगों के साथ ठगी की वारदात करता था। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि आरोपित राहुल शर्मा उर्फ शंकर शर्मा दर्ज मामले में जून 2024 से फरार चल रहा था और पुलिस ने बचने के लिए अपना ठिकाना और लोकेशन बदलता रहता था।

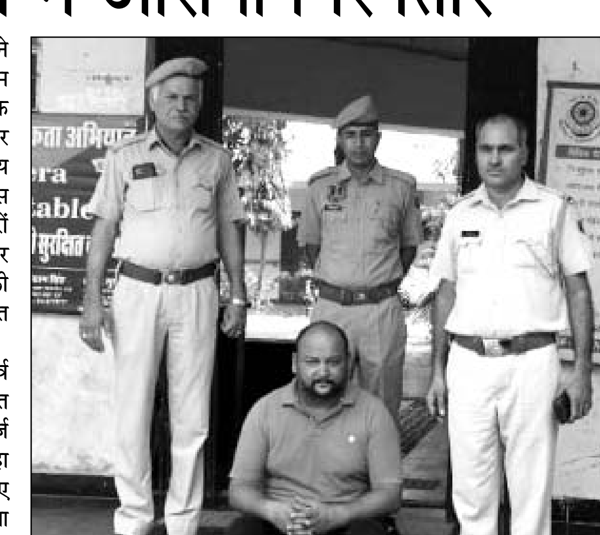

मालवीय नगर थाना पुलिस ने शनिवार को आरोपी को पकडा है।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपित राहुल शर्मा सोलर प्लांट लगाने का काम करता है और भोले भाले लोगों को झांसे में लेकर सोलर प्लांट लगाने व लगने वाले सामान के रुपये प्राप्त कर लेता है एवं रूपये मिल जाने के बाद कुछ दिनों तक टालमटोल करता रहता है। उसके बाद ठगी के रुपये लेकर फरार हो जाता है। पुलिस थाना मालवीय नगर द्वारा आरोपी की गत एक वर्ष से तलाश की जा रहीथी। लेकिन आरोपी बार बार अपनी लोकेशन खैरथल,भिवाडी, गुड़गांव बदलता रहा। इसके बाद तकनीकी सहायता से आरोपी का जोधपुर से गिरफ्तार किया गया।

जयपुर में फिर मिला दो होटल्स को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल

शनिवार को भी शहर के दो होटल हॉलिडे-इन और रैफल्स में बम होने का मेल मिलने से दहशत को माहौल हो गया

जयपुर। जयपुर में लगातार विभिन्न भवनों को बम रखने की धमकी भरा मेल मिलने से माहौल तो खराब होता है ही, साथ ही पुलिस और सुरक्षाबलों की भाग दौड़ बढ रही है।

इसके चलते शनिवार को भी शहर के दो फेमस होटल हॉलिडे-इन और रैफल्स को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल मिलने से दहशत को माहौल हो गया। जानकरी के अनुसार इन होटलों में से एक होटल हॉलिडे-इन में गृह राज्यमंत्री, उद्योग मंत्री केके विश्नोई और सहकारिता राज्य मंत्री गौतम दक एक निजी कार्यक्रम में भाग ले रहे थे। जहां पुलिस अधिकारियों से जानकारी मिलने के बाद गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने होटल खाली करने का कहा। इसके बाद तीनों मंत्री होटल से निकल गए।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि जयपुर शहर के बाईस गोदाम सर्किल स्थित हॉलिडे-इन होटल को शनिवार सुबह होटल को बम से उडाने का धमकी भरा मेल मिला। इस दौरान हॉलिडे-इन होटल में एक निजी कार्यक्रम चल रहा था।

इसमें गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम, उद्योग मंत्री के के विश्नोई और सहकारिता राज्य मंत्री गौतम दक मौजूद थे। जहां होटल में बम होने की जानकारी पुलिस अधिकारियों से मिलने पर बेढ़म ने कार्यक्रम के बीच में ही माइक से होटल खाली करने के लिए कहा। इसके बाद पुलिस टीम ने हॉलिडे-इन होटल से आनन-फानन में सभी को बाहर निकाला गया। जहां मौके पर पहुंचे बम और डॉग स्क्वायड सहित एटीएस ने होटल के हर कमरे में जांच शुरू की गई है। कई घंटों की तलाशी के बाद कुछ भी नहीं मिला तो सुरक्षा बलों ने राहत की सांस ली। वहीं दिल्ली रोड पर मौजूद रैफल्स होटल को भी धमकी का मेल मिला था। वहां भी एटीएस और बम स्क्वायड की टीम पहुंची और होटल्स के स्टाफ व गेस्ट को बाहर निकाल कर एक घंटे तक होटल की तलाशी ली गई। लेकिन तलाशी में कुछ भी नहीं मिला। पुलिस की टीमें ईमेल करने वाले व्यक्ति को ट्रेस कर रही है।गौरतलब है कि शुक्रवार को 2 कोर्ट और मेट्रो रेल में बम ब्लास्ट की धमकी मिली थी।इससे पहले 13 मई, 12 मई और 8 मई को सवाई मानसिंह स्टेडियम को उड़ाने की धमकी दी गई थी।

जयपुर में बम होने की सूचना मिलने के बाद होटल होली डे इन को खाली करा कर जांच की गई।

'राजस्व अदालतों में प्रशासनिक न्यायिक अकादमी स्थापित हो'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि राजस्व अदालतों और अपीलीय कोर्ट में प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं। इन अधिकारियों के पास न तो कानून की डिग्री होती है और ना ही इन्होंने प्रक्रियात्मक कानूनों व नियमों का अध्ययन किया होता है। जिसके चलते कई बार देखा गया है कि इन अदालतों में व्यावहारिक कानूनी प्रक्रिया का खुलेआम उल्लंघन किया जाता है। ऐसे में राज्य सरकार को नव नियुक्त और सेवारत प्रशासनिक अधिकारियों के लिए प्रशासनिक न्यायिक अकादमी का स्थापना की जानी चाहिए। जहां इन अधिकारियों को कानून का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाए। इसके साथ ही अदालत ने आदेश की कॉपी मुख्य सचिव और प्रमुख राजस्व सचिव सहित अन्य जिम्मेदार अफसरों को भेजी है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश राजस्व मामले में उमाकांत शर्मा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी को चोरी कर चाबी बनवाने पहुंचा चोर

जयपुर। माणक चौक थाना इलाके में दुकान के बाहर खड़ी स्कूटी को दो युवक चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित को घटना की जानकारी मिली तो पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा। पीड़ित ने अपने स्तर पर इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पुलिस को स्कूटी चोरी के बारे में बताया तो पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। लेकिन अभी तक पुलिस ने पीड़ित से सम्पर्क तक नहीं किया।

स्कूटी मालिक सोनू शर्मा ने बताया कि वह 15 तारीख को अपनी स्कूटी चौड़ा रास्ता में दुकान नंबर 357 के बाहर खड़ा करके चला गया था। सुबह जब स्कूटी लेने के लिए आया तो मौके पर स्कूटी नहीं मिली। स्थानीय लोगों से पूछा तो पता चला कि कुछ देर पहले ही दो युवक आए थे और स्कूटी को पैदल-पैदल लेकर गए हैं। जिसके बाद पीड़ित ने आसपास कई किलोमीटर तक स्कूटी सर्च की लेकिन कुछ नहीं मिला। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम को स्कूटी चोरी की सूचना दी।

पीड़ित ने अपने स्तर पर दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाली जिस में स्कूटी चोरी करते दो बदमाश दिखाई दे रहे हैं। एक बदमाश ने चौड़ा रास्ता से स्कूटी चोरी की जिसे वह पैदल न्यू गेट की तरफ ले जाता हुआ दिखाई दिया। आरोपी चोर स्कूटी लेकर किशनपोल की तरफ गया। यहां पर स्कूटी की चाबी बनवाने का प्रयास किया। लेकिन आईडी नहीं होने कारण वहां पर स्कूटी की चाबी नहीं बनी। इसके बाद आरोपी स्कूटी को लेकर देव होटल अजमेरी गेट की तरफ गया। जहां पर उसका दूसरा साथी उसे मिला। दोनों ने स्कूटी को खड़ी की और शराब पीने लग। जिस के बाद आरोपी स्कूटी लेकर फरार हो गए। ये सभी सीसीटीवी फुटेज पुलिस चैक को दी गई। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने अज्ञात दोनों बदमाशों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। लेकिन अभी तक पुलिस ने इस सम्बंध में किसी भी जांच अधिकारी ने पीड़ित से कोई संपर्क नहीं किया। पीड़ित का कहना है कि जब उस ने पुलिस को यह जानकारी दी।